SPECTRUM

मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के
पाठ्यक्रम पर आधारित

हिन्दी

व्याकरण व पाठ्यपुस्तक

लेखक
डा० मीरा कपूर

कक्षा
6

वैधानिक चेतावनी
इस पुस्तक के किसी भी अंश या भाग की पुन: प्रस्तुति या प्रतिलिपि किसी भी रूप में अन्यत्र नहीं की जा सकती है। प्रकाशक की लिखित पूर्व अनुमति के बिना किये गए ऐसे किसी भी कार्य के लिए संबंधित व्यक्ति वैधानिक कार्यवाही या वाद के भागीदार होंगे। सब तरह के वैधानिक विवादों का निपटारा मथुरा न्यायालय के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत होगा। पुस्तक को लिखते समय यद्यपि पूर्ण सावधानी रखी गयी है, फिर भी मुद्रण में किसी प्रकार की त्रुटि के लिए प्रकाशक व मुद्रक की जिम्मेदारी नहीं है।

उत्तर कुंजी (Answer Key)

पाठ 1 : विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-ब, 2-स, 3-ब, 4-द, 5-अ

अभ्यास 2

1-ब, 2-स, 3-ब, 4-द, 5-ब

अभ्यास 3

1-ब, 2-अ, 3-स, 4-द, 5-स

अभ्यास 4

1-स, 2-ब, 3-द, 4-स, 5-ब

अभ्यास 5

1-अ, 2-ब, 3-स, 4-ब, 5-द

रिक्त स्थानों की पूर्ति

सदा शक्ति भर देता वाला। | प्रेम सुधा सरसाने वाला। | स्वतंत्रता के भीषण रण में। | मिट जाए भय संकट सारा। | तब होवे प्रण पूर्ण हमारा।

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

तिरंगा हमें क्या प्रेरणा देता है?

उत्तर: तिरंगा हमें देशभक्ति, साहस और एकता की प्रेरणा देता है।

कविता में वीरों का क्या गुण बताया गया है?

उत्तर: कविता में वीरों को साहसी, त्यागी और देश के लिए बलिदान देने वाला बताया गया है।

कविता में भारत को कैसा देश बताया गया है?

उत्तर: कविता में भारत को प्यारा और महान देश बताया गया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम में लोगों के लिए क्यों महत्वपूर्ण था?

उत्तर: तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम के समय लोगों के लिए साहस और प्रेरणा का प्रतीक था। इसे देखकर लोगों में जोश और उत्साह भर जाता था। यह स्वतंत्रता और एकता का संदेश देता था तथा तिरंगे ने लोगों को देश के लिए बलिदान देने की शक्ति दी।

कविता 'झंडा ऊँचा रहे हमारा' का मुख्य संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: इस कविता का मुख्य संदेश देशभक्ति और राष्ट्रीय गर्व है। कवि तिरंगे को शक्ति, साहस और एकता का प्रतीक मानता है। वह चाहता है कि देशवासी निडर होकर स्वतंत्रता की रक्षा करें और देश के लिए त्याग करने को सदैव तैयार रहें। कविता हमें यह सिखाती है कि राष्ट्र का सम्मान सर्वोपरि है और हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमेशा ऊँचा रहना चाहिए।

पाठ 2 : कटुक वचन मत बोल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

दास प्रथा / लुकमान

1-ब, 2-स, 3-द, 4-स, 5-अ

जिज्ञासु-कन्फ्यूशस

1-ब, 2-स, 3-अ, 4-द, 5-स

वाणी का महत्व

1-स, 2-ब, 3-स, 4-द, 5-ब

राजा-ज्योतिषी / बुलबुल-फूल

1-स, 2-ब, 3-अ, 4-स, 5-द, 6-ब

लालबहादुर शास्त्री

1-ब, 2-स, 3-अ, 4-स, 5-द

रिक्त स्थानों की पूर्ति

वाणी का वरदान केवल मानव को मिला है। | लुकमान ने जीभ को सबसे अच्छा और सबसे बुरा अंग बताया। | कोमल और नम्र व्यक्ति अधिक समय तक जीता है।

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

वाणी का सदुपयोग क्या कर सकता है?

उत्तर: वाणी का सदुपयोग प्रेम, शांति और सद्भाव उत्पन्न कर सकता है।

लुकमान ने जीभ को सबसे अच्छा क्यों बताया?

उत्तर: लुकमान ने जीभ को सबसे अच्छा इसलिए बताया क्योंकि इससे मधुर और सत्य वचन बोले जा सकते हैं।

कन्फ्यूशस ने कोमलता का उदाहरण किससे दिया?

उत्तर: कन्फ्यूशस ने जीभ और दाँत के उदाहरण से कोमलता को समझाया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

लुकमान की कथा से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर: लुकमान की कथा से यह शिक्षा मिलती है कि जीभ का उपयोग बहुत सोच-समझकर करना चाहिए। जीभ से निकलने वाले शब्द किसी को सुख भी दे सकते हैं और दुख भी। मधुर वाणी जीवन को सुखद बनाती है, जबकि कटु वाणी विनाश का कारण बनती है।

इस अध्याय में वाणी के महत्व को उदाहरणों सहित समझाइए।

उत्तर: इस अध्याय में वाणी के महत्व को अनेक उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया गया है। लुकमान ने जीभ को सबसे अच्छा और सबसे बुरा अंग बताया। कन्फ्यूशस ने जीभ और दाँत का उदाहरण देकर नम्रता की शक्ति समझाई। राजा और ज्योतिषियों की कथा से स्पष्ट होता है कि मधुर वाणी पुरस्कार दिला सकती है। शास्त्रीजी का व्यवहार भी मधुर वाणी का आदर्श प्रस्तुत करता है। इन सभी उदाहरणों से सिद्ध होता है कि वाणी जीवन को बना भी सकती है और बिगाड़ भी सकती है।

पाठ 3 : हार की जीत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

बाबा भारती और घोड़ा

1-ब, 2-अ, 3-स, 4-द, 5-स

खड्गसिंह का आगमन

1-स, 2-ब, 3-अ, 4-ब, 5-स

अस्तबल में सुल्तान

1-ब, 2-स, 3-अ, 4-स, 5-द

बाबा भारती का भय

1-स, 2-ब, 3-द, 4-स, 5-स

रिक्त स्थानों की पूर्ति

बाबा भारती अपने घोड़े को सुलतान नाम से पुकारते थे। | खड्गसिंह उस इलाके का कुख्यात डाकू था। | बाबा भारती गाँव से बाहर एक छोटे मन्दिर में रहते थे। | खड्गसिंह ने सुल्तान को पाने के लिए अपाहिज का वेश धारण किया। | बाबा भारती का सबसे बड़ा भय यह था कि लोग गरीबों पर विश्वास करना न छोड़ दें।

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

बाबा भारती को रात में नींद क्यों नहीं आती थी?

उत्तर: बाबा भारती को खड्गसिंह के भय से रात में नींद नहीं आती थी।

खड्गसिंह कौन था?

उत्तर: खड्गसिंह उस क्षेत्र का कुख्यात डाकू था।

खड्गसिंह बाबा भारती के पास क्यों आया था?

उत्तर: वह सुल्तान को देखने और पाने की इच्छा से आया था।

बाबा भारती ने खड्गसिंह से कौन-सी प्रार्थना की?

उत्तर: उन्होंने घटना को किसी के सामने प्रकट न करने की प्रार्थना की।

खड्गसिंह ने अंत में क्या किया?

उत्तर: उसने सुल्तान को वापस अस्तबल में बाँध दिया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

बाबा भारती के व्यक्तित्व की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर: बाबा भारती एक अत्यंत दयालु, त्यागी और उच्च विचारों वाले साधु थे। वे अपने घोड़े सुल्तान से पुत्र के समान प्रेम करते थे, फिर भी समाज की भलाई को अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर रखते थे। खड्गसिंह द्वारा घोड़ा छीने जाने पर भी उन्होंने उससे घोड़ा वापस माँगने के बजाय गरीबों पर समाज का विश्वास बना रहने की चिंता की। उनका करुणामय और निःस्वार्थ व्यवहार उन्हें एक महान मनुष्य सिद्ध करता है।

कहानी 'बाबा भारती और खड्गसिंह' का नैतिक संदेश स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: यह कहानी हमें सिखाती है कि त्याग, विश्वास और करुणा से कठोर से कठोर हृदय भी बदला जा सकता है। बाबा भारती के महान विचारों ने एक कुख्यात डाकू खड्गसिंह को आत्मचिंतन के लिए विवश कर दिया। कहानी यह संदेश देती है कि मनुष्यता, विश्वास और निःस्वार्थ सेवा ही सच्चे धर्म और जीवन की सच्ची जीत है।

पाठ 4 : अपना हिन्दुस्तान कहाँ है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-स, 2-स, 3-द, 4-ब, 5-स

अभ्यास 2

1-ब, 2-स, 3-अ, 4-द, 5-स

अभ्यास 3

1-ब, 2-अ, 3-स, 4-ब, 5-द

रिक्त स्थानों की पूर्ति

पहचान, 2. टेलीफोन, 3. टूटे, 4. संस्कार, 5. दिनकर

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

कविता में कवि किस युग की बात कर रहा है?

उत्तर: कवि भूमण्डलीकरण और आधुनिक तकनीक के वर्तमान युग की बात कर रहा है।

कवि के अनुसार आज किस प्रकार के गीत अधिक सुनाई देते हैं?

उत्तर: कवि के अनुसार आज फूहड़ और अर्थहीन गीत अधिक सुनाई देते हैं।

कविता में किन संचार साधनों का उल्लेख किया गया है?

उत्तर: कविता में टी.वी. और टेलीफोन जैसे संचार साधनों का उल्लेख किया गया है।

कवि ने किन महान कवियों के नाम लिए हैं?

उत्तर: कवि ने तुलसीदास, सूरदास, निराला, दिनकर, रहीम और रसखान के नाम लिए हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

कविता में आधुनिक समाज की किन-किन समस्याओं को उजागर किया गया है?

उत्तर: कविता में कवि ने आधुनिक समाज की अनेक समस्याओं को उजागर किया है। भूमण्डलीकरण और तकनीक के कारण लोग भौतिक रूप से तो आगे बढ़े हैं, परन्तु मानसिक और नैतिक रूप से पिछड़ते जा रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं और आपसी संवाद समाप्त हो रहा है। शिक्षा में संस्कारों की कमी है और राजनीति में जनसेवा का भाव लुप्त हो गया है। साहित्य और कला का स्तर गिरता जा रहा है तथा फूहड़ता बढ़ रही है। कुल मिलाकर कवि आधुनिक समाज के नैतिक पतन पर चिंता व्यक्त करता है।

कवि द्वारा आदर्श भारत की खोज का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: कवि द्वारा आदर्श भारत की खोज का अर्थ उस भारत से है जहाँ संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्य विद्यमान हों। कवि ऐसा भारत चाहता है जहाँ परिवार मजबूत हों, शिक्षा में संस्कार हों और राजनीति में सेवा भाव हो। वह ऐसे साहित्य और कविता की खोज कर रहा है जो मन को आंदोलित करे और समाज को सही दिशा दे। कवि पुराने महान कवियों और सांस्कृतिक मूल्यों की पुनः स्थापना चाहता है।

पाठ 5 : व्याकरण-परिवार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-स, 2-अ, 3-द, 4-स, 5-द

अभ्यास 2

1-ब, 2-स, 3-ब, 4-द, 5-अ

अभ्यास 3

1-स, 2-द, 3-अ, 4-ब, 5-स

रिक्त स्थानों की पूर्ति

संज्ञानन्द महोदय | गुण | सहायता | सम्बन्ध

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

संज्ञानन्द परिवार के मुखिया का नाम क्या है?

उत्तर: संज्ञानन्द महोदय।

परिवार की मालकिन का नाम क्या है?

उत्तर: क्रियादेवी।

परिवार में बेटे और बेटियों के नाम क्या हैं?

उत्तर: पुत्र का नाम सर्वनाम, बेटियों के नाम विशेषण और क्रियाविशेषण है।

सम्बन्धबोधक और समुच्चयबोधक का क्या काम है?

उत्तर: सम्बन्धबोधक पिताजी और पुत्र के बीच सम्बन्ध जोड़ता है, और समुच्चयबोधक पूरे परिवार के कामों की देखभाल करता है।

विस्मयादिबोधक किस प्रकार के व्यक्ति हैं?

उत्तर: वे परिवार के मित्र हैं, जो सुख-दुख में हमेशा उनके साथ रहते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

संज्ञानन्द परिवार के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है?

उत्तर: लेखक ने इस परिवार के माध्यम से यह दिखाया है कि घर में हर सदस्य का अपना काम और जिम्मेदारी होती है। बच्चों को उनकी शक्तियों और कर्तव्यों की समझ होनी चाहिए। सही शिक्षा और अनुशासन से परिवार का काम सुचारू चलता है और समाज में आदर्श स्थापित होते हैं।

इस नाटक में भाषा और परंपरा की भूमिका को उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर: इस नाटक में हिंदी व्याकरण के प्रत्येक अंग को परिवार के सदस्य के रूप में दिखाया गया है - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि। इससे भाषा और व्याकरण की परंपरा को रोचक ढंग से समझाया गया है। प्रत्येक पात्र अपने कार्य और महत्व को स्वयं स्पष्ट करता है, जिससे विद्यार्थी सरलता से व्याकरण सीख पाते हैं।

पाठ 6 : विजय गान

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-ब, 2-स, 3-अ, 4-ब, 5-अ

अभ्यास 2

1-ब, 2-अ, 3-द, 4-ब, 5-ब

रिक्त स्थानों की पूर्ति

वीरवर | सतर्क | त्रस्त | अटल | तपस्वी

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

वीर के लिए पाठ में तपस्वी बनने की प्रेरणा क्यों दी गई है?

उत्तर: वीर को तपस्वी बनने की प्रेरणा मोह-माया और व्यर्थ के सुखों से दूर रहने के लिए दी गई है।

तलवारों की धारों का प्रतीक क्या है?

उत्तर: जीवन में आने वाली कठिनाइयों और संघर्षों को तलवारों की धार कहा गया है।

'सिन्धु-हिमाचल' का संदर्भ क्या है?

उत्तर: यह वीर का देश और सीमाएँ पार करने का साहस दर्शाता है।

'पापों से सन्तप्त धरा' से क्या आशय है?

उत्तर: इसका आशय है — पृथ्वी पाप और कष्ट से त्रस्त है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

पाठ में वीर को जीवन की कठिनाइयों का सामना कैसे करने की शिक्षा दी गई है?

उत्तर: पाठ में वीर को सलाह दी गई है कि वह जीवन की कठिनाइयों और संघर्षों का सामना साहस, सतर्कता और धैर्य के साथ करे। तलवारों की धारों, खाई-कुओं और बाधाओं का सामना करते हुए वीर को सम्हल कर चलना चाहिए। पापों से त्रस्त पृथ्वी और अनियंत्रित परिस्थितियों का सामना करते हुए भी वीर का साहस और निश्चय अटल होना चाहिए।

पाठ में तपस्वी, लौह हृदय और ध्रुव निश्चय का क्या महत्व बताया गया है?

उत्तर: तपस्वी बनने का अर्थ है मोह-माया से दूर रहकर समर्पित और अनुशासित होना। लौह हृदय का मतलब है मजबूत मन और अडिग साहस। ध्रुव से भी स्थिर निश्चय का उदाहरण वीर को दिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी उसका आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय अटल रहे। इन सभी गुणों से वीर जीवन की सभी बाधाओं को पार कर सकता है।

पाठ 7 : हम बीमार ही क्यों हों?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

पाँच तत्व

1-ब, 2-अ, 3-ब, 4-स, 5-द

आकाश तत्व

1-अ, 2-ब, 3-ब, 4-अ, 5-द

वायु तत्व

1-ब, 2-स, 3-ब, 4-अ, 5-द

अग्नि तत्व (सूर्य)

1-ब, 2-द, 3-अ, 4-अ, 5-अ

जल तत्व

1-ब, 2-ब, 3-अ, 4-द, 5-अ

रिक्त स्थानों की पूर्ति

आकाश | उपवास | टहलना | वाष्प | मिट्टी से स्नान

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

पाँच तत्व शरीर के लिए क्यों आवश्यक हैं?

उत्तर: पाँच तत्व शरीर में संतुलन बनाए रखते हैं। इनकी कमी से शरीर रोगी हो जाता है।

जल तत्व का हमारे शरीर में क्या महत्व है?

उत्तर: जल शरीर के 70% भाग में पाया जाता है। यह पसीना, मूत्र और मल के रूप में गंदगी निकालता है और शरीर को स्वस्थ रखता है।

सूर्य की प्रातः किरणें शरीर के लिए कैसे लाभकारी हैं?

उत्तर: सूर्य की प्रातः किरणें त्वचा से रक्त में प्रवेश कर विटामिन डी बढ़ाती हैं और शरीर में लाल रक्त कणों की संख्या बढ़ाती हैं।

पृथ्वी तत्व की प्राप्ति के लिए क्या करना चाहिए?

उत्तर: नंगे पैरों घूमना, धरती पर सोना, मिट्टी से स्नान करना और संतुलित भोजन करना।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

पाँच तत्व और स्वास्थ्य के अध्याय में आकाश और वायु तत्व का महत्व स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: आकाश तत्व शरीर के अंदर और बाहर व्याप्त है। संयम, उपवास, सदाचार, गाढ़ी नींद और प्रसन्नता से यह प्राप्त होता है। यह शरीर को हल्का और तरोताजा बनाता है। वायु तत्व जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। नाक और मुँह से ही नहीं, त्वचा के छिद्रों से भी साँस ली जाती है। शुद्ध वायु में टहलना, व्यायाम, आसन, प्राणायाम और तैराकी से वायु तत्व की पूर्ति होती है।

जल और पृथ्वी तत्व की विशेषताएँ और उनका शरीर में महत्व बताइए।

उत्तर: जल जीवन के लिए अमृत तुल्य है। यह शरीर के 70% भाग में है और पसीना, मूत्र, मल के रूप में गंदगी निकालता है। प्रातःकाल पानी पीने से शरीर स्वस्थ और विकार रहित रहता है। पृथ्वी तत्व जीवन का आधार है। नंगे पैरों घूमना, मिट्टी से स्नान करना और संतुलित भोजन लेना इसके प्रमुख साधन हैं। यह तत्व शरीर को स्थिरता, ताकत और स्वास्थ्य प्रदान करता है।

पाठ 8 : संगीत शिरोमणि स्वामी हरिदास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

दृश्य 1

1-स, 2-ब, 3-स, 4-द, 5-स

दृश्य 2

1-ब, 2-स, 3-स, 4-द, 5-ब

दृश्य 3

1-स, 2-ब, 3-अ, 4-द, 5-स

रिक्त स्थानों की पूर्ति

दीपक | जन्नत | गुरु | संगीत | मेघमल्हार

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

तानसेन को दीपक राग कब गाना है?
उत्तर: प्रातःकाल।

रूपा ने प्रारंभ में तानसेन की सहायता क्यों नहीं की?
उत्तर: क्योंकि वह राज-दरबार में नहीं गाती थी।

दीपक राग के प्रभाव को शांत करने के लिए कौन-सा राग गाया जाएगा?
उत्तर: मेघमल्हार राग।

स्वामी हरिदास ने जाते समय क्या आशीर्वाद दिया?
उत्तर: यशस्वी, चिरंजीवी और पूर्णकाम होने का।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

तानसेन और स्वामी हरिदास के बीच गुरु-शिष्य के संबंध को कैसे दिखाया गया है?
उत्तर: तानसेन अपने गुरुदेव स्वामी हरिदास का अत्यंत सम्मान करता है। वह उनकी बात मानता है और उनकी रचना में उनके प्रभाव को स्वीकार करता है। स्वामी हरिदास भी तानसेन की योग्यता को पहचानते हैं और उसे आशीर्वाद देते हैं। यह संबंध विश्वास, भक्ति और कला के आदान-प्रदान पर आधारित है।

कहानी में गुरु-भक्ति और समाज की महत्ता कैसे दिखाई गई है?
उत्तर: स्वामी हरिदास और उनके शिष्य समाज में संगीत और ज्ञान को महत्व देते हैं। तानसेन और रूपा अपने गुरु की आज्ञा मानकर समाज में कला का प्रचार करते हैं। गुरु-भक्ति और निःस्वार्थ समाज-सेवा ही इस कहानी का मूल संदेश है।

पाठ 9 : पद और दोहे (मीरा, कबीर, रहीम)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

मीरा का पद

1-ब, 2-ब, 3-ब, 4-स, 5-द

कबीर के दोहे

1-ब, 2-स, 3-ब, 4-स, 5-स

रहीम के दोहे

1-अ, 2-ब, 3-स, 4-द, 5-स

रिक्त स्थानों की पूर्ति

लाल | काफिर | सधै | दिनन | आज

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

मीराबाई अपने प्रभु किसे मानती हैं?
उत्तर: मीराबाई श्रीकृष्ण (गिरधर गोपाल) को अपना प्रभु और पति मानती हैं।

कबीर के अनुसार सच्चा पीर कौन है?
उत्तर: जो दूसरों के दुख को समझता है, वही सच्चा पीर है।

रहीम के अनुसार सच्चे मित्र की पहचान कब होती है?
उत्तर: विपत्ति के समय सच्चे मित्र की पहचान होती है।

'लोक-लाज खोई' का क्या अर्थ है?
उत्तर: सामाजिक मर्यादाओं और प्रतिष्ठा का त्याग करना।

कबीर किन दो बातों को सीखने की शिक्षा देते हैं?
उत्तर: ईश्वर की भक्ति करना और भूखे को भोजन देना।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

मीराबाई की भक्ति-भावना का वर्णन कीजिए।
उत्तर: मीराबाई श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं। उन्होंने अपने कुल, परिवार और सामाजिक बंधनों का त्याग कर केवल प्रभु-भक्ति में जीवन व्यतीत किया। वे श्रीकृष्ण को अपना पति मानती थीं और स्वयं को उनकी दासी कहती थीं। उनकी भक्ति निश्छल और पूर्ण समर्पण से भरी थी। मीराबाई साधु-संतों की संगति में लीन रहती थीं और अपने प्रभु-प्रेम को सर्वोपरि मानती थीं।

कबीर और रहीम के दोहों से मिलने वाली जीवन-शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।
उत्तर: कबीर के दोहे हमें आत्म-परीक्षण, करुणा और परोपकार की शिक्षा देते हैं। वे बताते हैं कि दूसरों की बुराई देखने से पहले अपने भीतर झाँकना चाहिए। रहीम के दोहे धैर्य, विनम्रता और सच्ची मित्रता का महत्व बताते हैं। उनका संदेश है कि सच्चा मित्र वही है जो विपत्ति में साथ खड़ा रहे। दोनों संतों के दोहे मानवता, नैतिकता और ईमानदारी की शिक्षा देते हैं।

पाठ 10 : क्या ऐसा नहीं हो सकता?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

पत्र अंश 1

1-स, 2-ब, 3-अ, 4-स, 5-द

पत्र अंश 2

1-स, 2-अ, 3-स, 4-अ, 5-द

पत्र अंश 3

1-स, 2-ब, 3-स, 4-अ, 5-द

रिक्त स्थानों की पूर्ति

दिखावा | रोटी | घर-गिरस्ती | किश्ती | सादगी

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

लेखक मित्र से मिलने के विषय में क्या चाहता है?
उत्तर: लेखक चाहता है कि वे दोनों जैसे हैं, वैसे ही मिलें और दिखावा न करें।

लेखक किस प्रकार की रोटी खिलाने की बात करता है?
उत्तर: लेखक सूखी रोटी खिलाने और खाने की बात करता है।

लेखक किन बातों को करने से मना करता है?
उत्तर: लेखक राजनीति और साहित्य की औपचारिक बातें करने से मना करता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

लेखक दिखावे के विरुद्ध क्या संदेश देता है?
उत्तर: लेखक दिखावे को मित्रता के लिए हानिकारक मानता है। वह चाहता है कि लोग अपनी वास्तविक स्थिति स्वीकार करें। बनावटी व्यवहार से संबंधों में दूरी बढ़ती है, जबकि सादगी से अपनापन बना रहता है। अभावों में भी सच्चा सुख संभव है। लेखक ईमानदारी और सरलता का संदेश देता है।

'सुख-दुःख के समन्दर' का भाव स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: 'सुख-दुःख का समन्दर' जीवन की वास्तविकता का प्रतीक है। इसमें हर व्यक्ति संघर्ष करता है। लेखक मानता है कि इन्हीं अनुभवों से जीवन की नाव आगे बढ़ती है। दुख को बाँटने से हल्कापन मिलता है और सच्चे संबंध इसी मार्ग से मजबूत होते हैं।

पाठ 11 : झाँसी की रानी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-स, 2-द, 3-ब, 4-स, 5-अ

अभ्यास 2

1-स, 2-द, 3-स, 4-द, 5-अ

अभ्यास 3

1-द, 2-स, 3-स, 4-ब, 5-अ

अभ्यास 4

1-ब, 2-स, 3-स, 4-ब, 5-स

अभ्यास 5

1-ब, 2-स, 3-स, 4-अ, 5-स

अभ्यास 6

1-अ, 2-स, 3-ब, 4-ब, 5-ब

अभ्यास 7

1-ब, 2-स, 3-ब, 4-स, 5-ब

अभ्यास 8

1-ब, 2-स, 3-स, 4-द, 5-स

अभ्यास 9

1-स, 2-ब, 3-ब, 4-स, 5-ब

अभ्यास 10

1-ब, 2-स, 3-ब, 4-अ, 5-ब

रिक्त स्थानों की पूर्ति

छबीली | युद्धभूमि | हरबोलों | 23

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

झाँसी की रानी का नाम क्या था?

उत्तर: लक्ष्मीबाई।

रानी लक्ष्मीबाई किस वर्ष स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुईं?

उत्तर: 1857 ई. में।

रानी ने तलवार उठाकर किससे युद्ध किया?

उत्तर: अंग्रेजों से।

रानी लक्ष्मीबाई की वीरता के उदाहरण दीजिए।

उत्तर: रानी ने अपने राज्य की रक्षा के लिए तलवार उठाई और अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। उन्होंने युद्ध में घायल होने के बावजूद वीरगति प्राप्त की और स्वतंत्रता की प्रेरणा दी।

रानी के बाल्यकाल और शिक्षा के बारे में बताइए।

उत्तर: रानी लक्ष्मीबाई का नाम छबीली था। वे अपने नाना के साथ पढ़ती और खेलती थीं। बचपन से ही उन्होंने बरछी, ढाल, कृपाण जैसी युद्धक सामग्री सीखना शुरू कर दिया था और वीर शिवाजी की कथाएँ याद थीं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की वीरता और देशभक्ति का वर्णन कीजिए।

उत्तर: रानी लक्ष्मीबाई ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। वे पुरुषों की तरह वीर थीं और तलवार लेकर युद्धभूमि में उतरीं। उनकी वीरगाथा बुंदेलखंड के लोगों के मुख से सुनाई देती है। उन्होंने अपने राज्य और स्वतंत्रता की रक्षा में किसी भी प्रकार का डर नहीं दिखाया। रानी ने अपने साहस और बलिदान से हर भारतीय को देशभक्ति का संदेश दिया।

बुंदेलखंड की जनता रानी लक्ष्मीबाई की वीरता के बारे में क्या कहती है?

उत्तर: बुंदेलखंड के लोग रानी की वीरगाथा सुनाते हैं और उन्हें नारी शक्ति और देशभक्ति का प्रतीक मानते हैं। रानी ने 23 वर्ष की आयु में वीरगति प्राप्त की और स्वतंत्रता की प्रेरणा दी। उनका साहस, बलिदान और नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श है।

पाठ 12 : डॉ. होमी जहाँगीर भाभा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-स, 2-ब, 3-द, 4-ब, 5-स

अभ्यास 2

1-ब, 2-ब, 3-स, 4-अ, 5-स

अभ्यास 3

1-ब, 2-स, 3-अ, 4-द, 5-स

अभ्यास 4

1-ब, 2-स, 3-अ, 4-द, 5-स

अभ्यास 5

1-स, 2-ब, 3-ब, 4-अ, 5-ब

अभ्यास 6

1-स, 2-द, 3-स, 4-ब, 5-स

रिक्त स्थानों की पूर्ति

होमी जहाँगीर भाभा | 30 अक्टूबर 1909 | गणित और भौतिक विज्ञान | पद्म-भूषण

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

भारत में अणु-शक्ति का विकास किसने किया?

उत्तर: डॉ. होमी जहाँगीर भाभा ने।

डॉ. भाभा का जन्म कब और कहाँ हुआ?

उत्तर: डॉ. भाभा का जन्म 30 अक्टूबर 1909 को मुंबई में हुआ।

डॉ. भाभा की एकमात्र इच्छा क्या थी?

उत्तर: भारत को अणु-शक्ति के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और वैज्ञानिक रूप से सशक्त बनाना।

वे किन विषयों में विशेष रुचि रखते थे?

उत्तर: डॉ. भाभा को इंजीनियरिंग के साथ-साथ गणित और भौतिक विज्ञान से विशेष प्रेम था। उन्हें नृत्य और चित्रकला में भी रुचि थी।

डॉ. भाभा की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर: 24 जनवरी 1966 को भारतीय विमान 'कंचनजंघा' जिनेवा जाते समय माउंट ब्लॉक पर्वत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें डॉ. भाभा की मृत्यु हो गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

डॉ. होमी जहाँगीर भाभा के वैज्ञानिक योगदान का वर्णन कीजिए।

उत्तर: डॉ. भाभा भारत के अणु-शक्ति कार्यक्रम के जनक थे। उन्होंने अणु-शक्ति आयोग का नेतृत्व किया और ट्रॉम्बे में अणु-शक्ति केंद्र की स्थापना की। उन्होंने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की नींव रखी। उनका उद्देश्य अणु-शक्ति का शांतिपूर्ण उपयोग करना था। उनके प्रयासों से भारत वैज्ञानिक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना। उनका योगदान भारतीय विज्ञान के लिए अमूल्य है।

डॉ. भाभा के व्यक्तित्व की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर: डॉ. भाभा सरल, उदार और सहयोगी स्वभाव के व्यक्ति थे। वे दूसरों को आगे बढ़ने के लिए सदैव प्रोत्साहित करते थे। विज्ञान के साथ-साथ उन्हें संगीत, चित्रकला और नृत्य में भी रुचि थी। उनका जीवन अनुशासित और प्रेरणादायक था। वे भारत को वैज्ञानिक रूप से सशक्त बनाना चाहते थे। उनका व्यक्तित्व वैज्ञानिकता और कलाकारिता का सुंदर संगम था।

पाठ 13 : बसन्त

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-द, 2-स, 3-ब, 4-स, 5-द

अभ्यास 2

1-स, 2-ब, 3-अ, 4-स, 5-द

अभ्यास 3

1-ब, 2-अ, 3-स, 4-द, 5-स

रिक्त स्थानों की पूर्ति

उल्लास | पत्तों के झुरमुट | वृक्ष | जंगल | वृक्ष

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

बसन्त किस बात का प्रतीक है?

उत्तर: बसन्त हरियाली, उल्लास और प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक है।

कविता में बसन्त के साथ कौन-सी पवन बहती है?

उत्तर: कविता में मस्त पवन बहती हुई दिखाई गई है।

कोयल कहाँ से गीत गाती हुई प्रतीत होती है?

उत्तर: कोयल पत्तों के झुरमुट से कुहू-कुहू की धुन गाती है।

अब बसन्त क्यों नहीं आ पाता?

उत्तर: क्योंकि मनुष्य ने जंगल और पेड़ काट दिए हैं।

बसन्त को ठहरने के लिए क्या चाहिए?

उत्तर: बसन्त को ठहरने के लिए हरे-भरे जंगल और वृक्ष चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि जंगल जीवन के लिए आवश्यक हैं।

उत्तर: कविता में बसन्त स्पष्ट करता है कि जंगल ही उसका घर है। जब पेड़-पौधे थे तब हरियाली, पवन, पक्षी और आनंद था। जंगल कटने से धरती बंजर हो गई और प्रकृति उदास हो गई। मनुष्य का जीवन भी प्रकृति पर निर्भर है। बिना जंगल के पर्यावरण संतुलन बिगड़ जाता है। इसलिए जंगल जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मनुष्य और प्रकृति के संबंध को कविता कैसे दर्शाती है?

उत्तर: कविता मनुष्य और प्रकृति के गहरे संबंध को दर्शाती है। जब मनुष्य प्रकृति की रक्षा करता है, तब बसन्त खुशी होकर आता है। जब मनुष्य स्वार्थवश जंगल काटता है, तब प्रकृति दुःखी हो जाती है। बसन्त का न आना मनुष्य की गलती को दर्शाता है। कविता हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहने की सीख देती है।

पाठ 14 : नारियल का बगीचा-केरल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-स, 2-ब, 3-स, 4-अ, 5-स

अभ्यास 2

1-ब, 2-स, 3-ब, 4-ब, 5-अ

अभ्यास 3

1-अ, 2-ब, 3-अ, 4-ब, 5-द

अभ्यास 4

1-स, 2-अ, 3-अ, 4-ब, 5-द

अभ्यास 5

1-स, 2-अ, 3-ब, 4-अ, 5-द

रिक्त स्थानों की पूर्ति

नारियल | नौका प्रतियोगिता | नृत्यकला | चावल | सिर

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

रामकृष्ण मेनन कहाँ जा रहे थे?
उत्तर: त्रिवेंद्रम।

केरल को किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर: नारियल का बगीचा।

ओणम का मुख्य उत्सव किसके लिए होता है?
उत्तर: लक्ष्मी माता और नौका प्रतियोगिता।

कथकली क्या है?
उत्तर: केरल की पारंपरिक नृत्यकला।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

केरल की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
उत्तर: केरल की प्राकृतिक सुंदरता अद्वितीय है। यहाँ वर्षा अधिक होती है और पर्वतीय क्षेत्र जंगलों से भरे हैं। जंगलों में शेर, भेड़िया, हाथी, चीता आदि पाए जाते हैं। नीलगिरि पर्वत पर चाय के बगीचे हैं। यहाँ का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी अद्भुत है, जैसे आदि शंकराचार्य का जन्मस्थान। ओणम त्योहार के समय घर सजाए जाते हैं, लक्ष्मी माता की पूजा होती है और मिठाइयाँ बनाई जाती हैं। नौका प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली नौकाएँ जल पर दौड़ती हैं और लोग गीत गाते हैं। कथकली नृत्यकला के माध्यम से कथाएँ नृत्य में रूपांतरित की जाती हैं।

ओणम त्योहार और कथकली के महत्व का वर्णन कीजिए।
उत्तर: ओणम के समय लोग अपने घरों को सजाते हैं, लक्ष्मी माता की पूजा करते हैं और मिठाइयाँ बनाते हैं। नौका प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली नौकाएँ जल पर दौड़ती हैं और लोग गीत गाते हैं। कथकली नृत्यकला के माध्यम से

कथाएँ नृत्य में रूपांतरित की जाती हैं। दोनों ही उत्सव और कला के माध्यम से केरल की सांस्कृतिक धरोहर और जीवन शैली का परिचय देते हैं।

पाठ 15 : दस्तक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-ब, 2-स, 3-अ, 4-स, 5-द

अभ्यास 2

1-ब, 2-स, 3-द, 4-ब, 5-स

अभ्यास 3

1-अ, 2-ब, 3-स, 4-अ, 5-ब

रिक्त स्थानों की पूर्ति

अचेत | अस्पताल | कोवलम बीच | समाज सेवा | सम्पर्क तोड़

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

हरी बाबू पहले किस पद पर कार्यरत थे?
उत्तर: वे एक ऊँचे पद पर कार्यरत थे।

सोनू कहाँ से गिरा था?
उत्तर: सोनू छत से गिरा था।

गणेशन के पैर में क्या चुभ गया था?
उत्तर: गणेशन के पैर में कील चुभ गई थी।

शीला किस कार्य में लग गई थी?
उत्तर: शीला समाज सेवा के कार्य में लग गई थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

हरी बाबू का जीवन हमें क्या सीख देता है?
उत्तर: हरी बाबू का जीवन यह सिखाता है कि केवल धन, पद और वैभव ही जीवन का उद्देश्य नहीं होते। यदि व्यक्ति समाज से कटकर केवल अपने स्वार्थ में जीता है, तो कठिन समय में कोई उसका साथ नहीं देता। हरी बाबू ने जीवन भर समाज से दूरी बनाए रखी, इसलिए वृद्धावस्था और संकट के समय वे अकेले पड़ गए।

समाज की मदद और सहानुभूति के महत्व का वर्णन कीजिए।
उत्तर: सोनू की दुर्घटना के समय समाज ने मिलकर सहायता की, जिससे शीला को समाज सेवा का महत्व समझ में आया। जब मनुष्य समाज का सहयोग करता है, तब समय आने पर समाज का सहयोग अवश्य मिलता है। स्वार्थी जीवन अंततः अकेलेपन और पश्चाताप की ओर ले जाता है, जबकि सेवा, सहानुभूति और सहयोग जीवन को सार्थक बनाते हैं।

पाठ 16 : श्रम की महिमा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-ब, 2-ब, 3-अ, 4-स, 5-द

अभ्यास 2

1-ब, 2-ब, 3-स, 4-द, 5-स

अभ्यास 3

1-अ, 2-ब, 3-स, 4-द, 5-अ

रिक्त स्थानों की पूर्ति

सूत | पूजा | पीसते | जिल्द | ईश्वर

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

गांधी जी क्या कातते थे?
उत्तर: गांधी जी सूत कातते थे।

गांधी जी कपास का क्या करते थे?
उत्तर: वे कपास धुनते थे।

गांधी जी अनाज में से क्या चुनते थे?
उत्तर: वे कंकर चुनते थे।

गांधी जी के लिए श्रम कैसा था?
उत्तर: श्रम पूजा के समान था।

गांधी जी किसे ईश्वर मानते थे?
उत्तर: सेवा के हर काम को।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

कविता के आधार पर गांधी जी के व्यक्तित्व का वर्णन कीजिए।
उत्तर: गांधी जी अत्यंत सरल, मेहनती और अनुशासित व्यक्ति थे। वे किसी भी काम को छोटा या बड़ा नहीं मानते थे। सूत कातना, कपड़ा बुनना, अनाज साफ करना, चक्की पीसना और पुस्तकों की जिल्द बाँधना जैसे सभी काम वे स्वयं करते थे। उन्हें सफाई और नियमितता बहुत प्रिय थी। उनके लिए श्रम पूजा के समान था। वे दूसरों को भी श्रम का सम्मान करना सिखाते थे। उनका जीवन सादगी और सेवा का आदर्श उदाहरण था।

वकील साहब की घटना से क्या शिक्षा मिलती है?
उत्तर: इस घटना से हमें यह शिक्षा मिलती है कि किसी भी काम को छोटा नहीं समझना चाहिए। हर ईमानदार काम सम्मान के योग्य होता है। पढ़े-लिखे और बड़े पद वाले लोगों को भी श्रम करना चाहिए। सच्ची सेवा वही है जिसमें अहंकार न हो और काम को खुशी से किया जाए।

पाठ 17 : संकल्प

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-अ, 2-स, 3-स, 4-ब, 5-द

अभ्यास 2

1-स, 2-द, 3-स, 4-स, 5-अ

अभ्यास 3

1-ब, 2-स, 3-द, 4-स, 5-अ

अभ्यास 4

1-स, 2-ब, 3-स, 4-अ, 5-द

रिक्त स्थानों की पूर्ति

सुमनों | विजय | अनगिन | न डरने | आगे

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

कविता में 'सुमन' किसे कहा गया है?
उत्तर: सुमन का अर्थ फूल है।

हार किससे बनते हैं?
उत्तर: हार फूलों से बनते हैं।

मन में किसका संकल्प लेने की बात कही गई है?
उत्तर: विजय का संकल्प।

काँटे किसका प्रतीक हैं?
उत्तर: कठिनाइयों का।

कवि किससे न डरने को कहता है?
उत्तर: काँटों से।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

कविता का मुख्य संदेश अपने शब्दों में लिखिए।
उत्तर: इस कविता का मुख्य संदेश यह है कि सफलता परिश्रम, धैर्य और साहस से मिलती है। हमें विजय का संकल्प लेकर निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। कठिनाइयाँ जीवन में आती हैं, पर उनसे डरना नहीं चाहिए। जैसे कई फूल मिलकर सुंदर माला बनाते हैं, वैसे ही मिलकर प्रयास करने से लक्ष्य प्राप्त होता है। जो व्यक्ति हार नहीं मानता, वही अंत में सफल होता है।

'कौन भला रोकेगा जब हम, काँटों से न डरें' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: इस पंक्ति का अर्थ है कि यदि मनुष्य डर को त्याग दे और साहस के साथ आगे बढ़े, तो कोई भी बाधा उसे रोक नहीं सकती। कठिनाइयाँ उसके रास्ते में आ सकती हैं, लेकिन उसका आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय उसे मंज़िल तक पहुँचा देता है।

पाठ 18 : परमानन्द माधवम्

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-स, 2-द, 3-अ, 4-द, 5-ब

अभ्यास 2

1-स, 2-अ, 3-ब, 4-द, 5-स

अभ्यास 3

1-स, 2-स, 3-द, 4-ब, 5-अ

अभ्यास 4

1-स, 2-अ, 3-स, 4-द, 5-ब

रिक्त स्थानों की पूर्ति

परमानन्द | कुष्ठ | चाँपा | राधाकृष्णन

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

सदाशिवराव को किस नाम से जाना जाता था?
उत्तर: परमानन्द माधवम्।

सदाशिवराव को कौन-सा रोग हो गया था?
उत्तर: कुष्ठ रोग।

सदाशिवराव की पुत्री का नाम क्या था?
उत्तर: प्रभावती।

आश्रम कहाँ स्थापित किया गया?
उत्तर: लखुरी ग्राम, चाँपा के पास।

राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन ने क्या सहायता दी?
उत्तर: प्रशंसा पत्र और एक हज़ार रुपये।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

सदाशिवराव गोविन्द कात्रे के जीवन परिचय और उनके सेवा कार्यों का वर्णन कीजिए।
उत्तर: सदाशिवराव गोविन्द कात्रे का जन्म 23 नवम्बर 1909 को हुआ। वे कुष्ठ रोग से पीड़ित थे, फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने कुष्ठ रोगियों के लिए आश्रम की स्थापना की और स्वयं उनके साथ रहकर सेवा की। उन्होंने बंजर भूमि को उपजाऊ बनाया, धन संग्रह किया और समाज को जोड़ने के लिए 'एक मुट्ठी चावल' आंदोलन चलाया। राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन ने भी उनके कार्यों की सराहना की। 16 मई 1977 को उनका निधन हुआ, पर उनका सेवा-भाव आज भी प्रेरणा देता है।

सदाशिवराव का जीवन हमें क्या शिक्षा देता है?
उत्तर: उनका जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी मानव सेवा का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। बीमारी, गरीबी और उपेक्षा के बावजूद उन्होंने दूसरों के लिए जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन त्याग, करुणा, साहस और समाज सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण है।

पाठ 19 : खूनी हस्ताक्षर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-स, 2-अ, 3-स, 4-ब, 5-द

अभ्यास 2

1-ब, 2-अ, 3-स, 4-ब, 5-ब

अभ्यास 3

1-स, 2-ब, 3-अ, 4-ब, 5-अ

अभ्यास 4

1-ब, 2-अ, 3-स, 4-अ, 5-ब

रिक्त स्थानों की पूर्ति

पानी | कुर्बानी | पैसों | साहस

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

कविता में सच्चा खून किसे कहा गया है?

उत्तर: जो देश के काम आए और स्वतंत्रता के लिए बहाया जाए, वही सच्चा खून है।

सुभाषचंद्र बोस ने लोगों से क्या माँगा?

उत्तर: बलिदान और रक्तदान।

आज़ादी का संग्राम किससे खेला जाता है?

उत्तर: बलिदान और त्याग से।

आज़ादी का परवाना किससे लिखा गया?

उत्तर: रक्त की स्याही से।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: इस कविता का केंद्रीय भाव देशभक्ति, त्याग और बलिदान है। कवि बताता है कि स्वतंत्रता बिना रक्त बलिदान के नहीं मिलती। सुभाषचंद्र बोस ने युवाओं को प्रेरित किया कि वे अपने रक्त से आज़ादी के परवाने पर हस्ताक्षर कर नया इतिहास रचें। कविता हमें राष्ट्रप्रेम और कर्तव्य की भावना सिखाती है।

सुभाषचंद्र बोस के नेतृत्व का वर्णन कीजिए।

उत्तर: सुभाषचंद्र बोस एक साहसी और प्रेरणादायक नेता थे। उन्होंने लोगों को केवल भाषण से नहीं, बल्कि त्याग और बलिदान का मार्ग दिखाकर प्रेरित किया। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए रक्त माँगा और स्वयं भी बलिदान को तैयार थे। उनके नेतृत्व में युवाओं ने निडर होकर देश के लिए प्राण अर्पित करने का संकल्प लिया।

पाठ 20 : रुपए की आत्मकथा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-स, 2-अ, 3-द, 4-स, 5-ब

अभ्यास 2

1-ब, 2-स, 3-द, 4-द, 5-स

अभ्यास 3

1-स, 2-द, 3-अ, 4-द, 5-ब

अभ्यास 4

1-स, 2-द, 3-ब, 4-अ, 5-स

रिक्त स्थानों की पूर्ति

रुप्यकम् | चाँदी | एक रुपया | 100 | ₹

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

रुपया किस धातु से बना सिक्का था?
उत्तर: चाँदी से।

वैदिक युग में रुपये को क्या कहा जाता था?
उत्तर: रुप्यकम्।

रुपये का अन्तरराष्ट्रीय प्रतीक क्या है?
उत्तर: ₹

रुपये को 100 पैसों में कब बाँटा गया?
उत्तर: सन् 1957 में।

₹ का डिज़ाइन किसने बनाया?
उत्तर: श्री उदय कुमार ने।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्राचीन काल से आधुनिक काल तक रुपये के विकास का वर्णन कीजिए।
उत्तर: रुपये का अस्तित्व वैदिक युग से माना जाता है, जब इसे 'रुप्यकम्' कहा जाता था। शेरशाह सूरी के समय चाँदी के सिक्के को रुपया कहा गया। मुगल काल में पूरे उपमहाद्वीप में मुद्रा प्रणाली को मजबूत किया गया। स्वतंत्रता से पहले रुपया आना और पैसे में बाँटा जाता था। 1957 में दशमलव प्रणाली लागू हुई और रुपया 100 पैसों में बाँटा गया। आज रुपया कागज की मुद्रा और सिक्कों दोनों के रूप में प्रचलित है।

भारतीय मुद्रा प्रणाली में हुए प्रमुख परिवर्तनों को समझाइए।
उत्तर: पहले रुपया आना और पैसे में बाँटा जाता था। 16 आने का एक रुपया होता था। स्वतंत्रता के बाद 1957 में इसे 100 पैसों में बदल दिया गया। कागजी नोटों की शुरुआत बैंकों द्वारा की गई। बाद में रुपये को अन्तरराष्ट्रीय प्रतीक ₹ मिला, जिससे उसकी वैश्विक पहचान बनी। इस प्रकार भारतीय मुद्रा प्रणाली समय के साथ अधिक सरल और आधुनिक बनी।

पाठ 21 : मेरी माँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-ब, 2-स, 3-अ, 4-द, 5-स

अभ्यास 2

1-ब, 2-स, 3-द, 4-स, 5-अ

अभ्यास 3

1-स, 2-स, 3-द, 4-स, 5-द

अभ्यास 4

1-स, 2-अ, 3-स, 4-द

अभ्यास 5

1-ब, 2-द, 3-अ

रिक्त स्थानों की पूर्ति

शिक्षा | भोग विलास | प्रणाम | धैर्य | देश सेवा

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

लेखक की माँ ने उनके जीवन में क्या भूमिका निभाई?
उत्तर: उनकी माँ ने उन्हें शिक्षा, धर्म और देश सेवा में मार्गदर्शन दिया।

लेखक ने अपनी माँ को क्या श्रद्धा दी?
उत्तर: उन्होंने अपनी माँ को जन्मदात्री और जीवनदात्री मानकर आदर और प्रेम व्यक्त किया।

लेखक किस प्रकार का जीवन जीना चाहते थे?
उत्तर: वे देश सेवा और मातृ सेवा में अपने जीवन को समर्पित करना चाहते थे।

लेखक ने अपने जीवन में किसका स्मरण रखा?
उत्तर: उन्होंने माता, धर्म और परमात्मा का स्मरण रखा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

लेखक अपनी माँ के प्रति भावनाओं का विवरण दीजिए।
उत्तर: लेखक अपनी माँ के प्रति अत्यंत प्रेम और श्रद्धा रखते थे। उनका कहना है कि माँ ने उन्हें केवल जन्म और पालन पोषण ही नहीं दिया, बल्कि धर्म, शिक्षा और सामाजिक जीवन में भी मार्गदर्शन किया। कठिनाइयों और संकटों में माँ ने उन्हें धैर्य और साहस सिखाया। उनकी दया, स्नेह और उपदेशों ने लेखक को देश सेवा के लिए तैयार किया।

लेखक का जीवन संदेश हमें क्या सिखाता है?
उत्तर: लेखक का जीवन यह सिखाता है कि सच्चाई, धर्म पालन और देश सेवा ही जीवन का सच्चा उद्देश्य हैं। उन्होंने जीवन में भोग विलास की इच्छा त्याग दी और केवल मातृ सेवा और देश सेवा को अपना उद्देश्य बनाया। वे मानते हैं कि उनके जीवन की सफलता माँ की शिक्षा और मार्गदर्शन के कारण संभव हुई।

पाठ 22 : मैं श्रीमद्भगवद्गीता हूँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सही विकल्प) — उत्तर कुंजी

अभ्यास 1

1-स, 2-ब, 3-स, 4-अ, 5-ब

अभ्यास 2

1-अ, 2-स, 3-स, 4-द, 5-ब

अभ्यास 3

1-द, 2-स, 3-ब, 4-स, 5-अ

रिक्त स्थानों की पूर्ति

कुरुक्षेत्र | श्रीकृष्ण | अमर | अठारह | धर्म

अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

श्रीमद्भगवद्गीता का जन्म कहाँ हुआ?

उत्तर: कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि में।

गीता का उपदेश किसने दिया?

उत्तर: भगवान श्रीकृष्ण ने।

अर्जुन का सारथी कौन था?

उत्तर: श्रीकृष्ण।

अर्जुन किस कारण विचलित हो गया था?

उत्तर: अपने सगे संबंधियों को युद्ध में देखकर।

गीता में कितने अध्याय हैं?

उत्तर: अठारह।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

अर्जुन की मानसिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

उत्तर: जब अर्जुन ने युद्धभूमि में अपने सामने गुरु, पितामह, ताऊ, मामा, मित्र और संबंधियों को देखा तो वह अत्यंत दुखी हो गया। उसका मन मोह और करुणा से भर गया। उसके हाथ काँपने लगे, धनुष गिर गया और शरीर शिथिल हो गया। वह युद्ध करने की स्थिति में नहीं रहा और श्रीकृष्ण से बोला कि वह अपने ही लोगों से युद्ध नहीं कर सकता।

गीता का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: गीता का मुख्य संदेश है कि मनुष्य को अपने स्वधर्म का पालन करना चाहिए। उसे मोह, भय और लोभ छोड़कर कर्तव्य करना चाहिए। आत्मा अमर है, शरीर नश्वर है। इसलिए न्याय और धर्म के लिए कर्म करना ही सच्चा जीवन है। गीता कर्मयोग, त्याग, संयम और सत्य का मार्ग दिखाती है।

हिंदी व्याकरण एवं रचना — कक्षा 6 (व्याकरण : पाठ 1-24)

पाठ 1 : भाषा, लिपि एवं व्याकरण

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(iii) दो, 2-(i) तीन, 3-(ii) देवनागरी

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. भाषा, 2. बाईस (22), 3. राजभाषा

(ग) सत्य/असत्य कथन

1. असत्य (✗), 2. सत्य (✓), 3. असत्य (✗), 4. सत्य (✓)

(घ) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भाषा किसे कहते हैं?

उत्तर: वह माध्यम जिसके द्वारा हम अपने मन के भावों तथा विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं, भाषा कहलाती है।

2. लिपि क्या होती है?

उत्तर: मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में अंकित करने के लिए निश्चित किए गए चिह्न 'लिपि' कहलाते हैं।

3. हिंदी दिवस कब और क्यों मनाया जाता है?

उत्तर: 14 सितंबर, 1949 को संविधान द्वारा हिंदी को राजभाषा के रूप में मान्यता दी गई थी, इसलिए प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

4. व्याकरण किसे कहते हैं? इसके विभाग लिखिए।

उत्तर: जिस शास्त्र से भाषा को शुद्ध बोलने, लिखने तथा पढ़ने के नियमों का ज्ञान होता है, उसे व्याकरण कहते हैं। इसके तीन विभाग हैं– वर्ण-विचार, शब्द-विचार तथा वाक्य-विचार।

5. हमारे देश की किन्हीं ग्यारह भाषाओं के नाम लिखिए।

उत्तर: हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बांग्ला, तमिल, गुजराती, मराठी, कन्नड़, कश्मीरी, असमिया, उड़िया।

(ङ) भाषा और लिपि — मिलान

पंजाबी – गुरुमुखी, बांग्ला – बांग्ला लिपि, हिंदी – देवनागरी, तमिल – तमिल लिपि

पाठ 2 : वर्ण विचार

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(ii) वर्ण, 2-(iii) ऊष्म

(ख) वर्ण-संयोग से नए शब्द

2. क् + ष = क्ष — कक्षा, रक्षा | 3. त् + र = त्र — त्रय, आत्रेय | 4. ड् + ठ (ट् + ठ) = ड्ठ — चिट्ठी, गड्ढा-वर्गीय | 5. घ् + य = घ्य — योग्य, सैनिक जैसे शब्दों में प्रयुक्त

(ग) रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. ग्यारह (11) स्वर तथा तैंतीस (33) व्यंजन, 2. वर्ण

(घ) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वर्ण किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तर: भाषा की वह छोटी-से-छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े न हो सकें, वर्ण कहलाती है। वर्ण दो प्रकार के होते हैं– स्वर और व्यंजन।

2. व्यंजन किसे कहते हैं? इसका कोई एक भेद लिखिए।

उत्तर: जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। इसका एक भेद है– स्पर्श व्यंजन (क वर्ग से प वर्ग तक)।

3. संयुक्त व्यंजन को उदाहरणों सहित समझाइए।

उत्तर: दो व्यंजनों के ऐसे मेल को, जिससे बने संयुक्त वर्ण में उन व्यंजनों की पहचान बनी रहे, संयुक्त व्यंजन कहते हैं; जैसे– क्ष (क्+ष), त्र (त्+र), ज्ञ (ज्+ञ), श्र (श्+र)।

4. वर्ण-विच्छेद से आप क्या समझते हैं? उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर: किसी भी शब्द के वर्णों को अलग-अलग करना वर्ण-विच्छेद कहलाता है; जैसे– राजा = र्+आ+ज्+आ।

पाठ 3 : शब्द-विचार

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(iii) जुड़ा हुआ, 2-(iii) हॉस्टल, 3-(iii) चार

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. तद्भव शब्द, 2. पद, 3. शब्द, 4. रूढ़ शब्द

(ग) सत्य/असत्य कथन

1. सत्य (✓), 2. सत्य (✓), 3. सत्य (✓), 4. असत्य (✗)

(घ) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अविकारी शब्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर: जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं; जैसे– यहाँ, कब, और, किंतु आदि।

2. शब्द और पद में क्या अंतर है?

उत्तर: वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं, जबकि शब्द जब वाक्य में प्रयोग होता है, तो उसे पद कहते हैं। पद के रूप में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण परिवर्तन हो सकता है।

3. रूढ़ शब्द किसे कहते हैं?

उत्तर: जिन शब्दों के सार्थक खंड नहीं किए जा सकते, उन्हें रूढ़ शब्द कहते हैं; जैसे– हाथ, भेड़, कौआ आदि।

4. शब्दों के भेद किन आधारों पर किये जाते हैं?

उत्तर: शब्दों के भेद चार आधारों पर किए जाते हैं– (1) उत्पत्ति या स्रोत के आधार पर, (2) रचना के आधार पर, (3) अर्थ के आधार पर, (4) प्रयोग के आधार पर।

(ङ) वर्गीकरण — तत्सम/तद्भव/देशज/विदेशी

तत्सम – माँगपत्र, कान, गौ, भ्राता, पल्लव | तद्भव – साँझ (शाम), दूध, आठ, चाँद, सच | देशज – डिबिया, घड़ी, बजट (आंशिक), साज-सज्जा | विदेशी – रेलगाड़ी (अंग्रेज़ी 'रेल'), बजट, स्कूल, गाड़ी

पाठ 4 : संज्ञा

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(iii) तीन भेद, 2-(i) मिठास, 3-(i) राम

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. अवस्था, 2. तीन, 3. वस्तु, जातिवाचक, 4. अनुभव

(ग) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संज्ञा की सोदाहरण परिभाषा दीजिए।
उत्तर: किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव या अवस्था के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे– चाँद, घर, महात्मा गाँधी, पुस्तक, फूल आदि।

2. संज्ञा के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।
उत्तर: संज्ञा के तीन भेद होते हैं– (1) व्यक्तिवाचक संज्ञा, (2) जातिवाचक संज्ञा, (3) भाववाचक संज्ञा।

3. व्यक्तिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, प्राणी अथवा स्थान का बोध कराते हैं, वे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे– मृगांकी, कटोरी, कौआ, लखनऊ, सोनिया आदि।

4. भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण किन-किनसे मिलकर होता है? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण पाँच प्रकार से होता है– (1) जातिवाचक संज्ञा से, (2) सर्वनाम से, (3) विशेषण से, (4) क्रियाओं से, (5) क्रिया-विशेषण से।

पाठ 5 : सर्वनाम

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(iii) लिंग का, 2-(i) सर्वनाम, 3-(ii) तीन, 4-(i) मैं, हम

(ख) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सर्वनाम की परिभाषा लिखिए।
उत्तर: संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे– वह, वे, यह, मैं, तू, उसे, कौन, कोई, हम आदि।

2. सर्वनाम के विकार लिखिए।
उत्तर: सर्वनाम में वचन और कारक के कारण रूप परिवर्तन होता है, परंतु लिंग के कारण सर्वनाम के रूप में कोई परिवर्तन नहीं होता।

3. सर्वनाम के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।
उत्तर: सर्वनाम के छः भेद होते हैं– पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक तथा निजवाचक सर्वनाम।

4. निश्चयवाचक सर्वनाम तथा अनिश्चयवाचक सर्वनाम में अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: निश्चयवाचक सर्वनाम किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध कराते हैं; जैसे– यह, वह। अनिश्चयवाचक सर्वनाम किसी अनिश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध कराते हैं; जैसे– कोई, कुछ।

5. संबंधवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं?
उत्तर: जो सर्वनाम शब्द किसी दूसरे सर्वनाम से अपने संबंध का बोध कराए, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– जो-सो, जैसा-वैसा।

(ग) रिक्त स्थानों की पूर्ति (उचित सर्वनाम)

1. जिसने, 2. कोई, 3. यह/मैं, 4. स्वयं, 5. कि हम

(घ) 'जो' सर्वनाम के कारकीय रूप

कर्ता – जो/जो; कर्म – जिसे/जिन्हें; करण – जिससे/जिनसे; संप्रदान – जिसके लिए/जिनके लिए; अधिकरण – जिसमें/जिनमें

पाठ 6 : विशेषण

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(iii) विशेषण, 2-(iii) चार

(ख) अंतर स्पष्ट कीजिए

1. निश्चित संख्यावाचक और अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण में अंतर
उत्तर: निश्चित संख्यावाचक विशेषण संज्ञा की निश्चित संख्या बताते हैं (जैसे– पाँच, दस), जबकि अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण अनिश्चित संख्या बताते हैं (जैसे– कुछ, बहुत)।

2. सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अंतर
उत्तर: जब सर्वनाम अकेला प्रयुक्त हो तो वह सर्वनाम कहलाता है (जैसे– वह खेलता है); जब वही शब्द किसी संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता बताए तो वह सार्वनामिक विशेषण कहलाता है (जैसे– वह लड़का खेलता है)।

3. परिमाणवाचक तथा संख्यावाचक विशेषण में अंतर
उत्तर: परिमाणवाचक विशेषण संज्ञा या सर्वनाम के नाप-तौल या मात्रा का बोध कराते हैं (जैसे– पाँच किग्रा), जबकि संख्यावाचक विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं (जैसे– पाँच लड़के)।

(ग) सत्य/असत्य कथन

1. असत्य (✗) — 'पाँच किलो' में परिमाणवाचक विशेषण है, गुणवाचक नहीं। 2. सत्य (✓)

(घ) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विशेषण की सोदाहरण परिभाषा दीजिए।
उत्तर: जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं; जैसे– अच्छा, काला, गोल, मीठा आदि।

2. विशेषणों के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।
उत्तर: विशेषण के चार भेद होते हैं– गुणवाचक, परिमाणवाचक, संख्यावाचक तथा सार्वनामिक विशेषण।

पाठ 7 : लिंग

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(iii) लिंग, 2-(iii) स्त्रीलिंग

(ख) लिंग बदलिए

1. रानी, 2. लेखिका, 3. मोरनी, 4. पुत्री

(ग) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संज्ञा के विकार से आप क्या समझते हैं? सोदाहरण समझाइए।

उत्तर: संज्ञा के जिस रूप से हमें उसमें प्रसंगानुसार आए परिवर्तन का बोध होता है, उसे संज्ञा के विकार कहते हैं। संज्ञा में मुख्यतः तीन प्रकार से विकार होता है– लिंग, वचन और कारक के द्वारा।

2. लिंग की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर: शब्द के जिस रूप से यह पता चलता है कि वह शब्द स्त्री जाति का है या पुरुष जाति का, उसे लिंग कहते हैं; जैसे– पुत्र (पुल्लिंग), पुत्री (स्त्रीलिंग)।

3. लिंग के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।

उत्तर: हिंदी भाषा में लिंग के दो भेद माने गए हैं– पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।

पाठ 8 : वचन

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(i) वचन, 2-(ii) गुरुजन

(ख) वाक्य शुद्धीकरण (वचन-संबंधी)

1. हॉल में दस दरवाजे हैं। 2. एक वर्ष में बारह मास होते हैं। 3. कारखाने की मशीन खराब हो गई। 4. आकाश में सूर्य चमक रहा है। 5. सभी तोते उड़ गए।

(ग) वचन-परिवर्तन (रंगीन शब्द)

1. धोबी कपड़ा धो रहा है। 2. नदियों का पानी चढ़ रहा है। 3. पेड़ों से पत्ते गिर रहे हैं। 4. अध्यापक बच्चे को पढ़ा रहा है। 5. लड़का पढ़ रहा है।

(घ) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वचन की सोदाहरण परिभाषा दीजिए।

उत्तर: शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक या एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं; जैसे– लड़का (एकवचन), लड़के (बहुवचन)।

2. वचन के कितने भेद हैं? नाम लिखिए।

उत्तर: वचन के दो भेद होते हैं– एकवचन और बहुवचन।

3. वचन की पहचान हम कैसे कर सकते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: वचन की पहचान संज्ञा या सर्वनाम शब्द तथा क्रियापद के रूप द्वारा की जा सकती है; जैसे– लड़का खेल रहा है (एकवचन), लड़के खेल रहे हैं (बहुवचन)।

4. बहुवचन किसे कहते हैं? सोदाहरण समझाइए।

उत्तर: शब्द के जिस रूप से एक से अधिक प्राणियों, वस्तुओं या स्थानों का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे– सब्जियाँ, चिड़ियाँ।

पाठ 9 : कारक

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(iii) ये दोनों, 2-(i) कर्ता कारक

(ख) वाक्य शुद्धीकरण (कारक-संबंधी)

1. बंदर पेड़ पर है। 2. पर्वतों का सौंदर्य अद्वितीय है। 3. लड़के दीवार पर कुछ लिख रहे हैं।

(ग) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. कारक की परिभाषा सोदाहरण समझाइए।
उत्तर: संज्ञा और सर्वनाम को क्रिया से जोड़ने वाले शब्दों को कारक कहते हैं; जैसे– पुजारी ने आरती की।

2. कारक के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।
उत्तर: कारक के आठ भेद होते हैं– कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण तथा संबोधन कारक।

3. कर्ता कारक से आप क्या समझते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: जिस शब्द से कार्य अर्थात् क्रिया के करने वाले का ज्ञान होता है, उसे कर्ता कारक कहते हैं; जैसे– पुजारी ने आरती की। इसका चिह्न 'ने' है।

पाठ 10 : संधि

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(ii) तीन, 2-(iii) संधि, 3-(ii) विद्या + आलय, 4-(ii) स्वर संधि

(ख) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संधि को उदाहरण सहित समझाइए।
उत्तर: दो निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से उनमें जो विकार होता है, उसे संधि कहते हैं; जैसे– हिमालय = हिम + आलय।

2. व्यंजन संधि की परिभाषा को उदाहरण सहित समझाइए।
उत्तर: किसी व्यंजन का व्यंजन से, स्वर का व्यंजन से या व्यंजन का स्वर से मेल होने से उसमें जो विकार उत्पन्न होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं; जैसे– सत् + जन = सज्जन।

3. संधि कितने प्रकार की होती है? प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर: संधि तीन प्रकार की होती है– (1) स्वर संधि (देव+इंद्र=देवेंद्र, सुर+ईश=सुरेश), (2) व्यंजन संधि (सत्+जन=सज्जन, उत्+धार=उद्धार), (3) विसर्ग संधि (निः+जन=निर्जन, तपः+बल=तपोबल)।

4. दीर्घ संधि किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।
उत्तर: ह्रस्व अथवा दीर्घ अ, इ, ई, उ, ऊ के पश्चात् यदि ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, ई, उ, ऊ हों तो दोनों के स्थान पर दीर्घ स्वर आ, ई और ऊ हो जाते हैं, उसे दीर्घ संधि कहते हैं; जैसे– विद्या+अर्थी=विद्यार्थी।

(ग) संधि कीजिए

1. मही+ईश = महीश (दीर्घ संधि) 2. सु+आगत = स्वागत (यण संधि) 3. तत्+लीन = तल्लीन (व्यंजन संधि) 4. सप्त+ऋषि = सप्तर्षि (गुण संधि) 5. वि+सम = विषम (व्यंजन संधि) 6. सत्+जन = सज्जन (व्यंजन संधि)

पाठ 11 : समास

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(iii) संक्षेपीकरण, 2-(iii) समस्त पद, 3-(i) वन में वास

(ख) समास मिलान

1. गंगाजल – तत्पुरुष (vi) 2. चौराहा – द्विगु (v) 3. नीलकमल – कर्मधारय (iv) 4. देश-विदेश – द्वंद्व (i) 5. पंचानन – बहुव्रीहि (iii) 6. निडर – अव्ययीभाव (ii)

(ग) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. समास को परिभाषित कीजिए।

उत्तर: परस्पर संबंध रखने वाले दो या अधिक पदों के मेल को समास कहते हैं। इस मेल से बनने वाले शब्द को समस्त पद कहते हैं।

2. समास-विग्रह किसे कहते हैं?

उत्तर: सामासिक पदों के बीच के संबंध को स्पष्ट करना समास-विग्रह कहलाता है।

3. समास कितने प्रकार के होते हैं? इनके भेद लिखिए।

उत्तर: समास के छः भेद होते हैं– अव्ययीभाव समास, तत्पुरुष समास, कर्मधारय समास, द्विगु समास, द्वंद्व समास तथा बहुव्रीहि समास।

4. द्वंद्व समास की दो-दो उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

उत्तर: जिस समास में दोनों पद प्रधान हों तथा जिसमें पदों के समुच्चयबोधक (और, तथा, या) का लोप हो गया हो, उसे द्वंद्व समास कहते हैं; जैसे– अन्न-जल = अन्न और जल, सुख-दुख = सुख और दुख।

(घ) समास-विग्रह एवं नाम

1. अन्न-जल = अन्न और जल — द्वंद्व समास 2. आवरण = चारों ओर से ढका हुआ — अव्ययीभाव समास 3. पंचमुख = पाँच मुखों का समूह — द्विगु समास 4. यथासमय = समय के अनुसार — अव्ययीभाव समास 5. दोषयुक्त = दोष से युक्त — तत्पुरुष समास 6. गजानन = गज के समान आनन (मुख) है जिसका, अर्थात् गणेश — बहुव्रीहि समास 7. त्रिवेणी = तीन वेणियों (नदियों) का समूह — द्विगु समास

पाठ 12 : उपसर्ग

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(i) एक-एक, 2-(iii) ये दोनों (अधिक/आगे), 3-(ii) अभि

(ख) उपसर्ग को मूल शब्द से मिलाना

पर + देश = परदेश | सत् + कर्म = सत्कर्म | सु + योग = सुयोग | दुष् + मार्ग = दुर्मार्ग

(ग) रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. परिवर्तन या विशेषता, 2. अंश, 3. नए, 4. तीन

(घ) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उपसर्ग किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: जो शब्दांश शब्दों के पूर्व जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता उत्पन्न कर देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं; जैसे– अभिनेता, कमज़ोर, दुबला।

2. उपसर्ग को कितने भागों में बाँटा गया है? नाम लिखिए।

उत्तर: उपसर्ग को तीन भागों में बाँटा गया है– (1) संस्कृत के उपसर्ग, (2) उर्दू-फारसी उपसर्ग, (3) हिंदी के तद्भव उपसर्ग।

पाठ 13 : प्रत्यय

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(ii) प्रत्यय, 2-(iii) कृदंत प्रत्यय, 3-(iii) कार

(ख) प्रत्यय जोड़कर नए शब्द

1. बाजी + गर = बाज़ीगर 2. फल + दायक/दार = फलदायक 3. समाचार + वार(हिंदी प्रत्यय संदर्भ में उदाहरणस्वरूप) = समाचारवार 4. तप/मन/यश + स्वी = तपस्वी/मनस्वी/यशस्वी (नोट: मूल पुस्तक के ठीक शब्दों से मिलान अवश्य करें)

(ग) शब्द-निर्माण पहेली

यह अभ्यास वर्ण-ग्रिड (चित्र) पर आधारित है। इसमें विद्यार्थियों को दिए गए वर्णों को जोड़कर सार्थक शब्द (जैसे– मिलाना, चिकना, कढ़ाई, राजा आदि) बनाने हैं तथा एक जैसे प्रत्यय वाले शब्दों को एक साथ वर्गीकृत करना है। कृपया मूल पुस्तक में दी गई चित्र-पहेली से उत्तर का मिलान करें।

(घ) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. प्रत्यय की सोदाहरण परिभाषा दीजिए।
उत्तर: जो शब्दांश शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता उत्पन्न कर देते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं; जैसे– खेल+औना=खिलौना।

2. प्रत्यय के कितने भेद होते हैं?
उत्तर: प्रत्यय के दो भेद होते हैं– (1) कृदंत प्रत्यय, (2) तद्धित प्रत्यय।

3. उपसर्ग और प्रत्यय में क्या अंतर हैं? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: उपसर्ग शब्द के पूर्व (आरंभ) में जुड़ते हैं (जैसे– अ+जर=अजर), जबकि प्रत्यय शब्द के अंत में जुड़ते हैं (जैसे– खेल+आड़ी=खिलाड़ी)। दोनों ही मूल शब्द के अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं।

पाठ 14 : पर्यायवाची शब्द

(क) तीन-तीन पर्यायवाची शब्द

अमृत – अमिय, सुधा, पीयूष | अंधकार – तम, तिमिर, ध्वांत | कोयल – कोकिला, पिक, श्यामा | पक्षी – खग, विहग, पखेरू | तारा – नक्षत्र, तारक, उडुगण | पुष्प – सुमन, कुसुम, फूल

(ख) अनुपयुक्त (गलत पर्याय) शब्द

तालाब – अम्बु (शेष सभी 'तालाब' के पर्याय हैं) | पृथ्वी – तनय | अश्व – ध्वांत | बिजली – पलाशी | पुरुष – विहग

पाठ 15 : विलोम शब्द

(क) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विलोम शब्द किसे कहते हैं?
उत्तर: जो शब्द परस्पर विपरीत अर्थ प्रकट करें, वे आपस में विपरीतार्थक शब्द या विलोम शब्द कहलाते हैं।

2. आयात तथा शुभ के विलोम शब्द लिखिए।
उत्तर: आयात – निर्यात; शुभ – अशुभ।

(ख) परस्पर सही विलोमार्थी जोड़े

कनिष्ठ-ज्येष्ठ ✓, घृणा-प्रेम ✓, इष्ट-अनिष्ट ✓, चर-अचर ✓, अर्थ-अनर्थ ✓, पंडित-मूर्ख ✓, सम-विषम ✓ (शेष जोड़े सही विलोम नहीं हैं)

(ग) विलोम शब्द व वाक्य-प्रयोग

उग्र – सौम्य (शेर का स्वभाव उग्र होता है, जबकि हिरण सौम्य होता है।) | पाप – पुण्य (हमें पाप छोड़कर पुण्य के कार्य करने चाहिए।) | गगन – धरा (पक्षी गगन में उड़ रहे हैं और हिरण धरा पर दौड़ रहा है।)

पाठ 16 : वाक्यांश के लिए एक शब्द

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(i) अतिवृष्टि, 2-(ii) सर्वसम्मति

(ख) वाक्यांश के लिए एक शब्द

जिसका कोई दोष न हो – निर्दोष | जिसका मन उदार हो – उदारमना | जिसकी सीमा न हो – असीम | जो धर्माचरण करता है – धर्मात्मा | जो स्त्री कविता रचती है – कवयित्री | प्रति सप्ताह होने वाला – साप्ताहिक | जो मांस नहीं खाता – शाकाहारी | जिसे सरलता से पढ़ा जा सके – सुपाठ्य | जिसमें लज्जा न हो – निर्लज्ज | जिसे छूना वर्जित हो – अस्पृश्य | जीवन भर रहने वाला – आजीवन | जिसमें पाप नहीं है – निष्पाप | सब कुछ जानने वाला – सर्वज्ञ | जो खराब हो चुका हो – जीर्ण/दूषित

पाठ 17 : अनेकार्थक शब्द

(क) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अनेकार्थी शब्द किसे कहते हैं?

उत्तर: किसी शब्द के अनेक अर्थ होने को अनेकार्थी कहते हैं। इनका प्रयोग संदर्भ के अनुसार किया जाता है, और संदर्भ बदलने पर ये अलग-अलग अर्थ देते हैं।

2. श्री के अनेकार्थी शब्द लिखिए।

उत्तर: श्री – लक्ष्मी, शोभा, सौंदर्य, यश, वृद्धि।

(ख) दो-दो अर्थ

कनक – सोना, धतूरा | नाक – नासिका, स्वर्ग | पक्ष – पंख, तरफ़/सहायक

(ग) गलत अर्थ (जो उस शब्द का अर्थ नहीं है)

पत्र – पैर (गलत) | कुल – घर (गलत) | गुण – श्रेष्ठ (गलत) | पक्ष – चिह्न (गलत)

पाठ 18 : श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द (युग्म शब्द)

(क) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. समश्रुति भिन्नार्थक शब्द किसे कहते हैं?

उत्तर: जो शब्द उच्चारण की दृष्टि से प्रायः समान पाए जाते हैं, परंतु उनके अर्थ में पर्याप्त भिन्नता होती है, उन्हें समश्रुति भिन्नार्थक (युग्म) शब्द कहते हैं।

2. अपर तथा अपार का अर्थ लिखिए।

उत्तर: अपर – दूसरा; अपार – जिसका पार (सीमा) न हो।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति (युग्म शब्द)

1. नदी के तट पर दस बगुले थे। 2. अनिल (हवा) के चलने से अनल (आग) भड़क उठी। 3. अधिक अंधकार में भोजन करने का परिणाम अच्छा नहीं होता। 4. अधिक अशक्त व्यक्ति को शीघ्र ही अंत (मृत्यु) तक ले जाती है। (नोट: पुस्तक में दिए मूल शब्द-युग्मों से मिलान करें)

(ग) वाक्य शुद्धीकरण

1. पहिए की धुरी टूट गई। 2. ठोकर खाकर गिरने से गोपाल के दो दाँत टूट गए। 3. चीता एक हिंसक पशु है। 4. कस्बे से गाँव की दूरी पाँच कोस है। 5. उसे इतना समझाया पर वह ढीठ माना ही नहीं।

पाठ 19 : क्रिया

(क) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. क्रिया की परिभाषा लिखिए।
उत्तर: जिस शब्द से किसी काम का करना या होना समझा जाए, उसे क्रिया कहते हैं; जैसे– पढ़ना, लिखना, खाना, नहाना, सोना, उठना आदि।

2. सकर्मक क्रिया के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।
उत्तर: सकर्मक क्रिया के दो भेद होते हैं– (1) एककर्मक क्रिया, (2) द्विकर्मक क्रिया।

3. संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्दों से कौन-सी क्रियाएँ बनाई जाती हैं? उदाहरण सहित लिखिए।
उत्तर: संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्दों से नामधातु क्रियाएँ बनाई जाती हैं; जैसे– माँ ने सुमन को गलती पर फटकारा। वह बहुत मुटिया गई है।

4. संयुक्त क्रिया अन्य क्रियाओं से किस प्रकार अलग होती है?
उत्तर: संयुक्त क्रिया एक से अधिक धातुएँ मिलकर किसी एक क्रिया का निर्माण करती हैं, जबकि सरल क्रिया केवल एक ही धातु से बनती है।

(ख) 'करना' क्रिया के सही रूप

1. करूँगा/करूँगी, 2. कर रहा, 3. करना, 4. करते ही

(ग) अकर्मक/सकर्मक क्रिया वर्गीकरण

1. सकर्मक (कर्म: खाना) 2. सकर्मक (कर्म: काम) 3. अकर्मक 4. सकर्मक (कर्म: गीत) 5. अकर्मक

(घ) पहला व दूसरा कर्म

1. पहला कर्म: बच्चों को — दूसरा कर्म: पाठ 2. पहला कर्म: पुत्र को — दूसरा कर्म: पैसे 3. पहला कर्म: नौकर को — दूसरा कर्म: वेतन 4. पहला कर्म: सोहन को — दूसरा कर्म: खाना 5. पहला कर्म: मेहमानों को — दूसरा कर्म: चाय

पाठ 20 : काल

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(iii) काल, 2-(iii) तीन

(ख) क्रियाओं को भूतकाल में बदलना

1. वर्षा हो रही थी। 2. शायद बच्चा रो रहा था। 3. दिव्या वहाँ गा रही थी। 4. हमने नृत्य प्रतियोगिता देखी।

(ग) वाक्यों के काल

1. अपूर्ण भूतकाल 2. सामान्य भविष्यत् काल 3. सामान्य/अपूर्ण वर्तमान काल 4. पूर्ण वर्तमान काल

(घ) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. काल किसे कहते हैं? काल के कितने भेद होते हैं? नाम बताइए।
उत्तर: क्रिया के होने या करने के समय को काल कहते हैं। काल के तीन भेद होते हैं– वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्यत् काल।

2. वर्तमान काल से क्या अभिप्राय है? इसके भेदों के नाम भी बताइए।
उत्तर: क्रिया के जिस रूप से हमें कार्य के चल रहे समय में होने का ज्ञान होता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं। इसके तीन भेद हैं– सामान्य वर्तमान काल, अपूर्ण वर्तमान काल, संदिग्ध वर्तमान काल।

3. भूतकाल किसे कहते हैं? इनके कितने भेद होते हैं? नाम बताइए।
उत्तर: क्रिया के जिस रूप से हमें कार्य के बीते समय में संपन्न होने का ज्ञान होता है, उसे भूतकाल कहते हैं। इसके छः भेद होते हैं– सामान्य भूतकाल, आसन्न भूतकाल, पूर्ण भूतकाल, अपूर्ण भूतकाल, संदिग्ध भूतकाल तथा हेतुहेतुमद् भूतकाल।

4. भविष्यत् काल किसे कहते हैं? इनके भेदों के नाम बताइए।
उत्तर: क्रिया के जिस रूप से हमें किसी कार्य के आने वाले समय में होने का ज्ञान होता है, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। इसके तीन भेद हैं– सामान्य भविष्यत् काल, संभाव्य भविष्यत् काल, हेतुहेतुमद् भविष्यत् काल।

पाठ 21 : अव्यय

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(i) अविकारी शब्द, 2-(iii) संबंधबोधक

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति

1. क्रिया, 2. अविकारी

(ग) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अविकारी शब्दों से आप क्या समझते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।
उत्तर: जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई विकार या परिवर्तन उत्पन्न नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द या अव्यय कहते हैं; जैसे– यहाँ, वहाँ, और, किंतु आदि।

2. अविकारी शब्दों के भेद लिखिए।
उत्तर: अव्यय के चार भेद हैं– (1) क्रियाविशेषण अव्यय, (2) संबंधबोधक अव्यय, (3) समुच्चयबोधक अव्यय, (4) विस्मयादिबोधक अव्यय।

3. क्रिया विशेषण से क्या तात्पर्य है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं; जैसे– बालक जोर-जोर से रोता है — यहाँ 'जोर-जोर से' शब्द 'रोता है' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

4. विस्मयादिबोधक अव्यय किसे कहते हैं?
उत्तर: वाक्य में जिन शब्दों से संबोधन, आश्चर्य, घृणा, दुःख, क्रोध, हर्ष आदि भावों का ज्ञान होता है, उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं; जैसे– शाबाश! तुम जीत गए।

पाठ 22 : वाक्य-विचार

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(ii) क्रिया का, 2-(i) दो, 3-(i) वाक्य, 4-(iii) उद्देश्य

(ख) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वाक्य के कितने अंग होते हैं? नाम लिखिए।
उत्तर: वाक्य के दो अंग होते हैं– उद्देश्य और विधेय।

2. वाक्य को परिभाषित कीजिए।
उत्तर: शब्दों अथवा पदों का वह व्यवस्थित क्रम, जिसका सही एवं स्पष्ट रूप में कोई सार्थक अर्थ निकलता है, वाक्य कहलाता है।

3. वाक्य के आवश्यक तत्व क्या हैं?
उत्तर: वाक्य में क्रिया का होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त सार्थकता, योग्यता, आकांक्षा और पदक्रम भी वाक्य के आवश्यक तत्व हैं।

4. संयुक्त और मिश्र वाक्य का अंतर उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: संयुक्त वाक्य में दो या अधिक वाक्य 'और, तथा, किंतु, परंतु, या' आदि से स्वतंत्र रूप से जुड़े होते हैं; जैसे– बादल तो खूब आए, किंतु वर्षा नहीं हुई। मिश्र वाक्य में एक साधारण वाक्य के अतिरिक्त उसके अधीन कोई अन्य वाक्य होता है; जैसे– आज बाजार नहीं जाएँगे क्योंकि बारिश हो रही है।

5. अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद बताइए।
उत्तर: अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं– विधानवाचक, निषेधात्मक, प्रश्नवाचक, इच्छावाचक, आज्ञावाचक, संदेहवाचक, संकेतवाचक तथा विस्मयवाचक वाक्य।

(ग) उद्देश्य तथा विधेय

1. उद्देश्य: पृथ्वीराज चौहान — विधेय: अजमेर का राजा था। 2. उद्देश्य: प्रधानाचार्य ने — विधेय: भाषण दिया। 3. उद्देश्य: गरिमा और उसका भाई — विधेय: स्कूल जा रहे हैं। 4. उद्देश्य: बच्चे — विधेय: खाना खा रहे हैं। 5. उद्देश्य: सानिया ने — विधेय: स्वर्ण पदक जीता।

पाठ 23 : मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

(क) मुहावरों/लोकोक्तियों का वाक्य-प्रयोग

1. आसमान से बातें करना (अर्थ: बहुत ऊँचा होना) — मुंबई की इमारतें आसमान से बातें करती हैं। 2. टका-सा जवाब देना (अर्थ: साफ इनकार करना) — मोहन ने अपने मित्र को टका-सा जवाब दे दिया। 3. कोल्हू का बैल (अर्थ: बहुत मेहनती/बिना रुके काम करने वाला) — रमेश तो कोल्हू के बैल की तरह दिन-रात काम करता है। 4. चेहरे का रंग उड़ना (अर्थ: भयभीत हो जाना) — चोरी पकड़े जाने पर उसके चेहरे का रंग उड़ गया।

(ख) मुहावरे और अर्थ — मिलान

1. पीठ दिखाना – (iv) डरकर भाग जाना 2. छक्के छुड़ाना – (i) बुरी तरह हराना 3. उलटी गंगा बहाना – (v) नियम विरुद्ध काम करना 4. गोद सूनी होना – (ii) संतान का न रहना 5. जान पर खेलना – (iii) प्राण संकट में डालना

(ग) मुहावरे/लोकोक्तियाँ पूरी करना

1. खोदा पहाड़ निकली चुहिया 2. आम के आम गुठलियों के दाम 3. आँखों का तारा 4. ईंट से ईंट बजा देना 5. अक्ल पर पत्थर पड़ना

(घ) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. मुहावरों को परिभाषित कीजिए।
उत्तर: जब कोई वाक्य या वाक्यांश अपने साधारण अर्थ को छोड़कर विलक्षण अर्थ प्रकट करे, तो उसे मुहावरा कहा जाता है।

2. मुहावरों व लोकोक्तियों का प्रयोग क्यों किया जाता है?
उत्तर: मुहावरों व लोकोक्तियों के प्रयोग से भाषा सरल, रोचक और सशक्त बनती है तथा कथन प्रभावशाली हो जाता है।

3. लोकोक्ति किसे कहते हैं?
उत्तर: लोगों के अनुभव, घटना अथवा तथ्य पर आधारित प्रचलित उक्तियाँ, जो अपने विशेष अर्थों में किसी सच्चाई को प्रकट करती हैं, उन्हें लोकोक्तियाँ कहते हैं।

4. लोकोक्ति को अन्य किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर: लोकोक्ति को 'कहावत' के नाम से भी जाना जाता है।

पाठ 24 : विराम चिह्न

(क) सही विकल्प — उत्तर कुंजी

1-(i) रुकना, 2-(ii) पूर्ण विराम, 3-(iii) प्रश्नसूचक चिह्न, 4-(ii) योजक, 5-(iii) विस्मयसूचक, 6-(i) अल्पविराम

(ख) सत्य/असत्य कथन

1. सत्य (✓) 2. असत्य (✗) — अनुचित प्रयोग से अर्थ का अनर्थ हो जाता है 3. सत्य (✓) 4. असत्य (✗) — विस्मयादिबोधक वाक्यों के अंत में विस्मयसूचक चिह्न लगाते हैं 5. सत्य (✓)

(ग) अतिलघु/लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'विराम चिह्न' को परिभाषित कीजिए। विराम चिह्न का प्रयोग क्यों किया जाता है?
उत्तर: भाषा के लिखित रूप में विराम देने के लिए जिन संकेत चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम चिह्न कहते हैं। वाक्य के अर्थ को स्पष्ट करने तथा भाषा को सही ढंग से समझने के लिए इनका प्रयोग किया जाता है।

2. योजक चिह्न कहाँ प्रयोग किये जाते हैं? दो उदाहरण देते हुए समझाइए।
उत्तर: जब दो शब्दों को एक साथ जोड़कर या मिलाकर लिखते हैं, तब योजक चिह्न (-) का प्रयोग किया जाता है; जैसे– माता-पिता, भाई-बहन।